>

Title: Need to grant unemployment allowance to educated/uneducated employed youths in the Country.

श्री पुन्नूलाल मोहले (बिलासपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं देश के शिक्षित बेरोजगारों को महंगाई भत्ता एवं उद्योग-धंधे आदि के लिए ऋण आदि देने के संबंध में कुछ कहना चाहता हूं। देश में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या अत्यधिक है, दस से पन्द्रह लाख के बीच में है। इसमें युवक और युवतियां भी हैं। शिक्षित बेरोजगारों को नौकरी नहीं मिलने के कारण से नौकरी की समय सीमा समाप्त हो गई है। वे लोग दर-दर भटक रहे हैं। कई लोग नशे की ओर बढ़ रहे हैं, कोई जुआ खेल रहा है तो कोई अफीम या शराब की ओर बढ़ रहे हैं। कई लोग काम न मिलने की वजह से बेरोजगारी भत्ता या रोजगारी की तलाश में झगड़ों में फंस रहे हैं। कई लोग तो आतंकवाद और नक्सलवाद की ओर बढ़ रहे हैं। ऐसी विषम परिस्थिति में केंद्र सरकार को विचार करने की आवश्यकता है जब उद्योगपति के उद्योग रुग्ण होने से हजारों करोड़ रुपए के घाटे की पूर्ति की जाती है। अगर विदेश में इस तरह की विषम परिस्थिति होती है तो विदेशों में लाखों करोड़ों रुपए की सहायता दी जाती है। लेकिन शिक्षित बेरोजगारों के संबंध में सरकार हाथ पर हाथ रखकर बैठी है, उनकी तरफ देखने वाला कोई नहीं है। अतः शिक्षित बेरोजगारों को ऋण देने के लिए सरकार विशेष योजना बनाए तथा शिक्षित बेरोजगारों को प्रति माह 2500 रुपए महंगाई भत्ता दे जिससे आतंकवाद, नक्सलवाद एवं नशे की ओर बढ़ते हुए कदमों को रोका जा सके। मैं सरकार से अपेक्षा करूंगा कि इस पर विचार करेंगे।